प्लेबुक

एक्सिस बैंक फाउंडेशन समर्थित ग्रामीण
आजीविका परियोजनाओं के सर्वोत्तम अभ्यास

ग्रामीण आजीविका

आजीविका, कृषि के लिए संस्था निर्माण

ग्रामीण महिलाओं के लिए किसान फील्ड स्कूल बनाना और बनाए रखना

इस प्लेबुक की
क्या आवश्यकता है?

किसानों, खासकर महिला किसानों, के पास ऐसी जानकारी तक पहुँच नहीं होती जिससे वे अपने खेत की पैदावार बढ़ा सकें या आजीविका और आमदनी के नए साधन ढूंढ सकें। किसी विषय के विशेषज्ञों तक भी किसानों की पहुँच नहीं होती; बहुत कम उन विशेषज्ञों तक पहुँच पाते हैं जो खेती, पशु पालने या आमदनी बढ़ाने के नए तरीके अपनाने में उनका मार्गदर्शन कर सकें।

समस्या

इब्तिदा लघु सीमान्तर, पिछड़े हुए और वंचित किसानो के साथ काम करता है जिनकी आमदनी का स्तर प्रति वर्ष रु.1-1.5 लाख से कम है। बदलती जलवायु परिस्थितियों और निरंतर पानी की कमी, खासकर खेती के मौसम के दौरान, उन्नत/अच्छी तकनीकी सिंचाई के तरीकों की बढ़ती मांग। समुदाय में इस प्रकार की जानकारी तक पहुँच बहुत कम है।

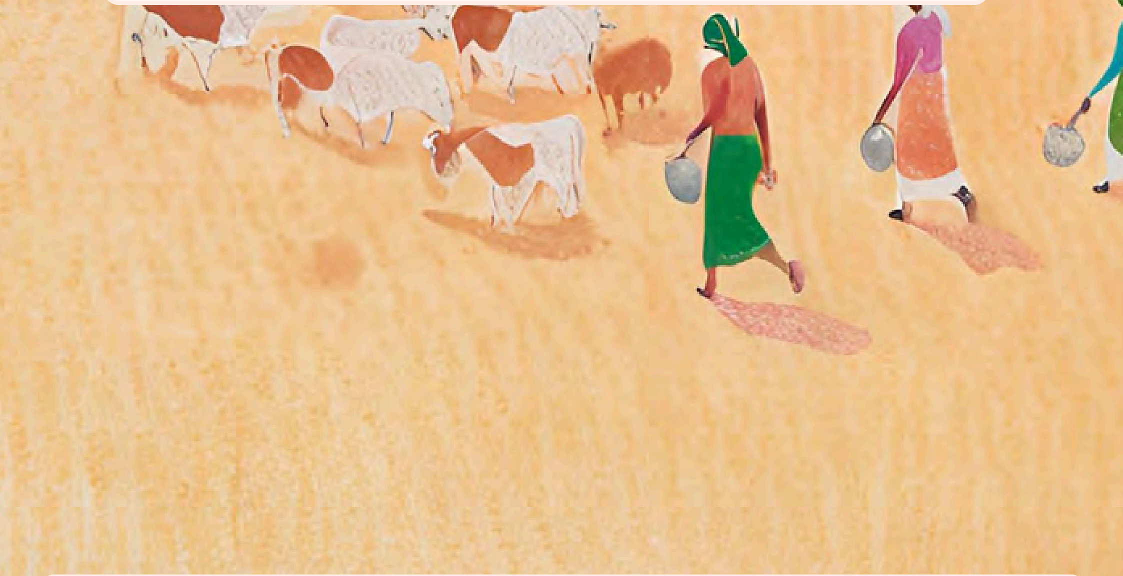

यह प्लेबुक **इब्तिदा** के विशेष ज्ञान के आधार पर तैयार की गई है, जिन्होंने गाँव स्तरीय कार्यकर्ताओं और **"आजीविका पाठशाला"** का एक व्यापक नेटवर्क बनाया है जिससे कि ग्रामीण राजस्थान में आजीविकाएं और आमदनी बढ़ सके।

परिचय

किसान फील्ड स्कूल

ग्राम-स्तरीय महिला किसान को उन्नत खेती, मवेशी पालन और अन्य आजीविका गतिविधियों में प्रशिक्षित करना ज़रूरी है। **"फील्ड स्कूल"** की स्थापना और गांवों में मासिक बैठकें आयोजित करना जहां नए विचारों और नई तकनीक पर होने वाली चर्चाओं से जानकारी की कमी के मुद्दे का हल निकालने में सहायता मिल सकती है।

महिला किसानों
के लिए क्या फ़ायदा है?

ऐसी जानकारी मिलती है जिसकी सहायता से उन्नत खेती के तरीकों या समन्वित कीट एवं बीमारी प्रबंधन से खेती की पैदावार बढ़ाई जा सकती है।

नई आजीविकाओं के श्रोत या आमदनी बढ़ाने की गतिविधियों के लिए निरंतर मार्गदर्शन मिलती है। सरकारी योजनाओ से जुड़ने की जानकारी।

महिला किसानों का एक अनौपचारिक नेटवर्क जो सहयोग, प्रोत्साहन और प्रेरणा दे सकता है।

व्यावहारिक सीख और फील्ड मेंप्रदर्शन।

01/ 'सखी' नेटवर्क की स्थापना

संस्थाएं गाँव के हर घर में जा कर उन्हें खेती के वैज्ञानिक तरीकों के बारे में नहीं बता सकतीं। स्वयं-सहायता समूहों की रुचि और कार्यक्रम अलग होते हैं और उनके माध्यम से खेती, उद्यमिता या पशु पालन के बारे में कार्यक्रम करना मुश्किल होता है। सखियाँ और किसान फील्ड स्कूल इसके लिए उत्तम समाधान हैं।

'सखियाँ' कौन होती हैं?

सखी गाँव में महिलाओं की एक प्रतिनिधि होती है, जिन्हे **चुन कर प्रशिक्षित किया जाता** है और उनको **मार्गदर्शन दिया जाता है**।

सखियों को संस्था के विभिन्न **आजीविका कार्यक्रमों** से **परिचित** कराया जाता है।

सखियों को **हर माह एक मानदेय** दिया जाता है।

नामांकन

गाँव के स्वयं सहायता समूह

ऐसे गांवों को चुना जाता है जहां स्वयं सहायता समूह हों या जहां संस्था के प्रतिभागी हों।

गाँव-स्तरीय कार्यक्रम

एक **गाँव-स्तरीय आमुखीकरण कार्यक्रम** आयोजित करें जिसमें 'सखी' के विचार और अर्थ के बारे में स्पष्टता से समझाया जाए।

स्वयं-सेवक

इच्छुक महिलाओं में से **स्वयंसेवको की तलाश** की जाती है। यहाँ स्वयं सहायता समूह के सदस्यो के नाम का प्रस्ताव देते हैं या उनके बीच में से चुना जाता है।

सखियों का नेटवर्क
स्थापित करने के लिए आदर्श ढांचा

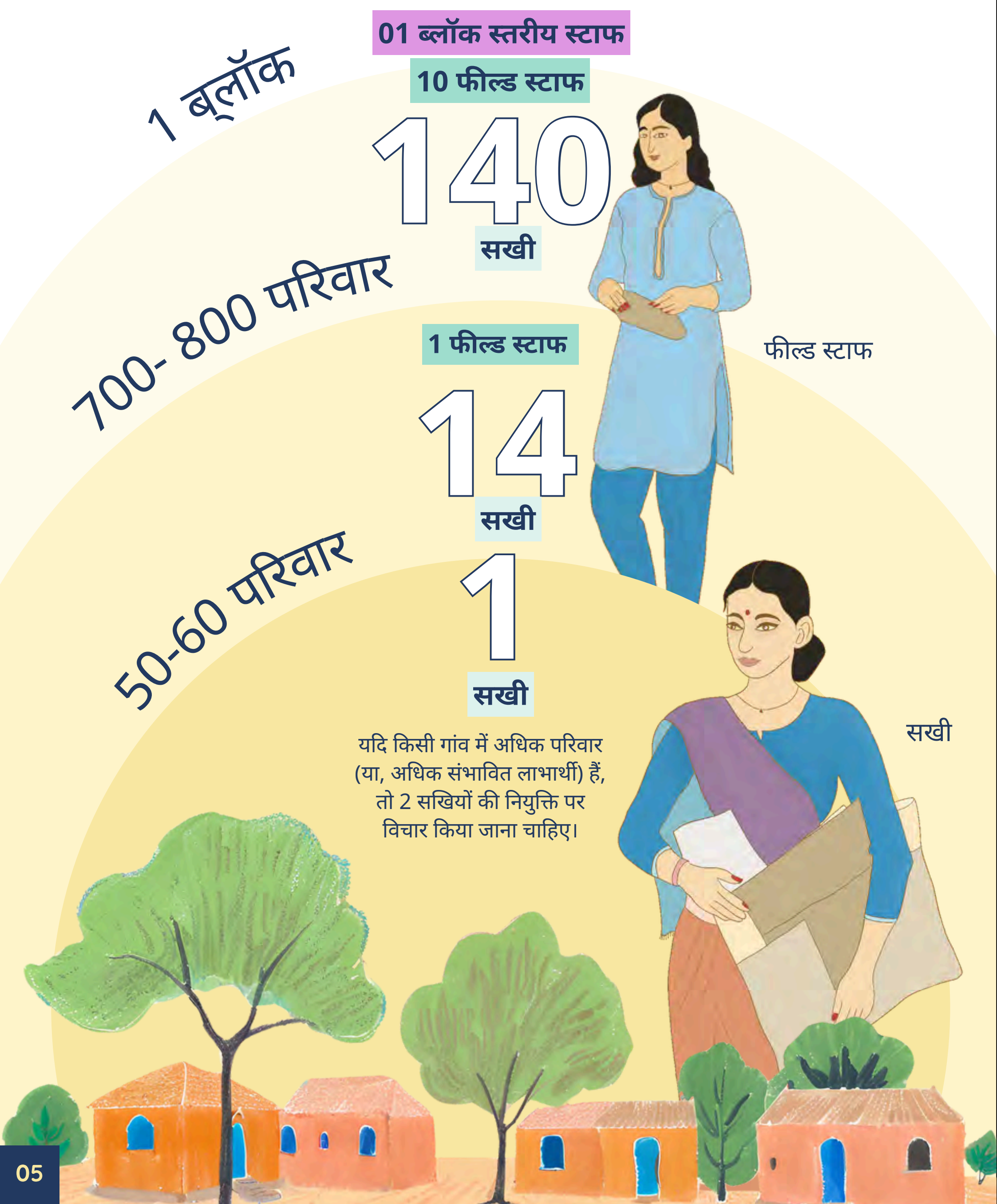

चयन के लिए मानदंड का समय

सखियों को अंतिम निर्णय लेने से पहले अपने परिवार से चर्चा दिया जाता है

- [ ] स्थानीय भाषा में पढ़ना और लिखना जानती हैं।
- [ ] न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता: मध्य स्कूल (आठवीं कक्षा)।
- [ ] 25 वर्ष उम्र से अधिक।
- [ ] स्थानीय या सरकारी स्वयं-सहायता समूह की सदस्य या पिछले कार्यक्रम की सक्रिय सदस्य। यह ज़रूरी है जिससे कि संभावित सखियाँ ऐसे कार्यक्रमों के लाभों को आसानी से समझ सकें।
- [ ] वो बड़े जमीनदार परिवार से न हों या उनकी अपनी बहुत बड़ी ज़मीन न हो। यह ज़रूरी है जिससे कि वे सीमांत किसानों, जिनके लिये यह कार्यक्रम बनाया गया है, उनसे जुड़ाव बना सकें।
- [ ] सभी लाभार्थियों को सामान स्टारर पर देखती हो।
- [ ] सखी नई अवधारणाओं को अच्छी तरह से समझती हो और उन्हें व्यक्तिगत क्षमता पर प्रदर्शित करने में सक्षम हो।
- [ ] उनका परिवार उनके गाँव में काम करने या प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए सहमत हो।
- [ ] सखी को नौकरी के काम और घर के बीच संतुलन बनाने में सक्षम होना चाहिए।
- [ ] सखी को फोन अच्छे से चलाना आना चाहिए।

इंटरव्यू

सभी उम्मीदवारों को फील्ड या ब्लॉक ऑफिस में इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। सभी ज़िम्मेदारियाँ और संभावित काम स्पष्टता से बताया जाता है। प्रमुख कौशल जो देखने हैं वो हैं बातचीत करने का तरीका काम को समझने की क्षमता

02/ प्रशिक्षण

आमुखीकरण का प्रशिक्षण

05
Days

प्रशिक्षण और आधार ग्रहण करवाने के पाँच दिन। **यह एक आवासीय प्रशिक्षण होता है और सखियों को हेड ऑफिस में रहना होता है।**

विभिन्न पशुपालन पालन और कृषि संबंधित कार्यक्रमों की संपर्क सामग्री/ पुस्तिकाएं बांटी जाती हैं (जैसे कि विभिन्न फसलों की खेती की प्रथाओं पर पैकेज; सरकारी योजनाए; बीमारियों और कीड़ों की पहचान करना)।

रिफ्रेशर का प्रशिक्षण

03
Days

हर 6 महीने में ब्लॉक स्तर पर 3-दिवसीय प्रशिक्षण।

नियमित प्रशिक्षण

नए कार्यक्रमों और मुद्दों पर नियमित प्रशिक्षण जैसे की फसल आधारित या मौसमी प्रशिक्षण।

किसान फील्ड स्कूलों की स्थापना

01 मूल जानकारी सर्वे

सखी गाँव में कृषि और मवेशी पालन गतिविधियों और महिला किसानों की आमदनी के स्त्रोतों की मूल जानकारी का सर्वे में भाग लेती है।

02 लाभार्थियों की पहचान

सखी कार्यक्रमों के वर्तमान लाभार्थियों और भविष्य के लिए लाभार्थियों की पहचान करती है।

03 फील्ड स्कूल के बारे में समझाना

सखी स्वयं सहायता समूह के सदस्यों या लाभार्थियों या संभावित लाभार्थियों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उन्हें किसान फील्ड स्कूल और उसके फ़ायदों के बारे में समझाती है।

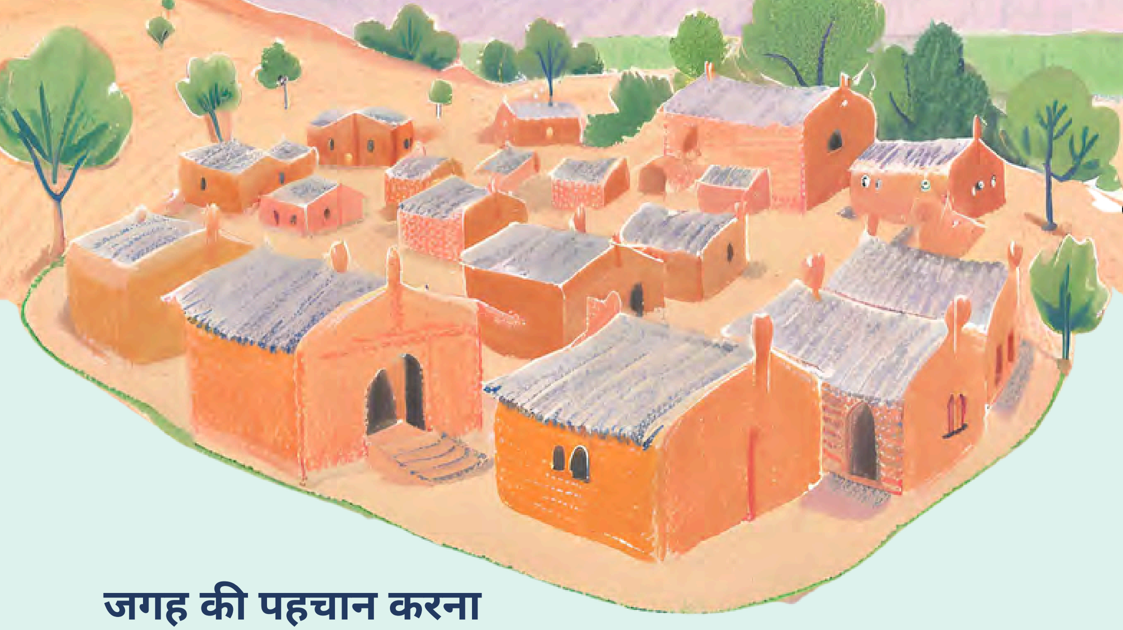

जगह की पहचान करना

जहां किसान फील्ड स्कूल चलाया जाएगा:

इतनी बड़ी जगह हो जहां **कम-से-कम 30-40 लोग** बैठ सकें, (किसी घर का आँगन; या, पंचायत का हॉल) अच्छी हवा हो और धूप या बारिश से बचाव हो।

पीने का पानी उपलब्ध हो।

जहाँ महिला **आसानी से निश्चिंत होकर बैठ सके।**

बोर्ड, फ्लेक्स लगाने की जगह हो।

गाँव में एक ऐसी जगह होनी चाहिए **जहां सभी फील्ड स्कूल के प्रशिक्षण के सारे सत्र स्थायी रूप** से चलाये जाये सके।

तारीख और समय निर्धारित करना

याद रखें ... यह लोगों की सुविधा पर आधारित होना चाहिए (जिससे कि उनके खेती या अन्य काम से इसमें रुकावट न आए)

बैठक के लिए **महीने की कोई एक तारीख और समय निर्धारित** करना चाहिए: जैसे कि हर महीने की 16 तारीख, सुबह 11:00 Am and 02:00 PM

सलाह: पहले 2-3 महीने, सखी लोगों को बैठक की मीटिंग और समय के बारे में याद दिलाएगी। यह फोन पर या व्यक्तिगत स्तर पर किया जा सकता है। सखियाँ उनसे भी बात करके समझें जो बैठक में शामिल क्यों नहीं हुए। इन बैठकों की लोगों को आदत पड़ने में समय लगेगा, जिसके लिए सखी को लगातार उनसे संपर्क बनाए रखना होगा।

एजेंडा निर्धारित करना

01 बैठक का विषय संस्था के **हेड ऑफिस स्तर** पर निर्धारित किया जाए और **प्रत्येक ब्लॉक** को सूचित किया जाए।

02 **सखियों** को **ब्लॉक-स्तरीय ऑफिस** में बुलाकर (हर महीने) एजेंडा की जानकारी दी जाए।

ज़मीनी स्तर से प्राप्त की हुई जानकारी के आधार पर एजेंडा तैयार किया जाता है

जैसे कि, फ़सल में फूल आने के समय पर कीट प्रबंधन के विषय लिए जाएंगे, आदि।

03/ फील्ड स्कूल का

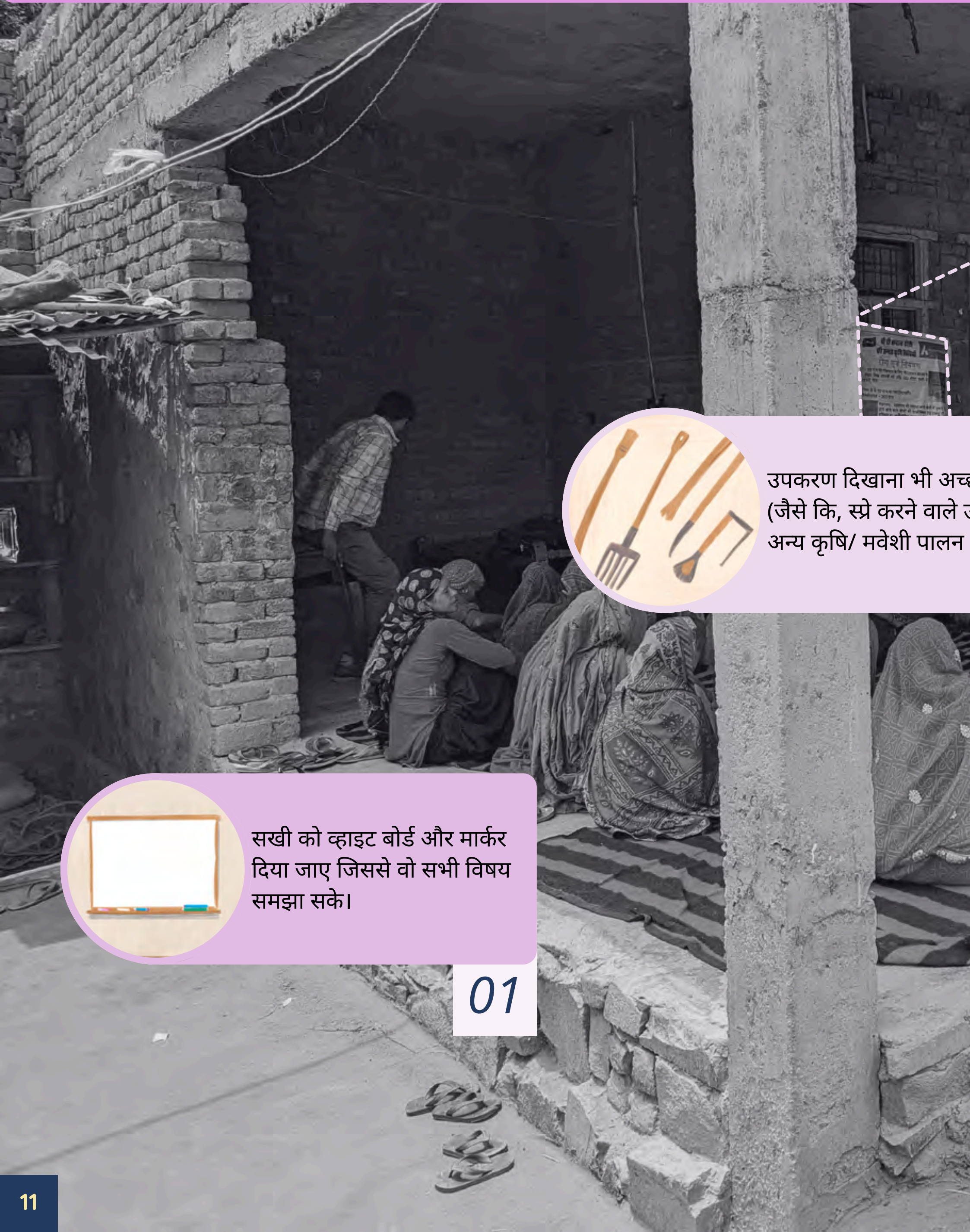

उपकरण दिखाना भी अच
(जैसे कि, स्प्रे करने वाले उ
अन्य कृषि/ मवेशी पालन

सखी को व्हाइट बोर्ड और मार्कर दिया जाए जिससे वो सभी विषय समझा सके।

01

प्रभावकारी संचालन

बैठक की जगह पर पोस्टर, बैनर और शिक्षण सामग्री प्रदर्शित करना। सखियाँ इनके माध्यम से किसानों को विषय समझा सकती हैं।

03

छा रहता है
उपकरण या
के उपकरण)

02

सभी को गोले में बैठना चाहिए (या अर्ध-गोलाकार में) और सखी उसके साथ में बैठे। इससे सखी सभी भागीदारों के साथ अच्छी तरह बातचीत कर सकती है।

04

फील्ड स्कूल को प्रभावकारी बनाना

01
नियमित उपस्थिति और निगरानी

शुरुआती महीनों में (या 2-3 वर्षों तक भी) ज़रूरी है कि **फील्ड स्टाफ या विषय विशेषज्ञ** फील्ड स्कूल में **उपस्थित** रहें। उनकी भूमिका है कि वे नई सखियों का **मार्गदर्शन** करें कि बैठक कैसे चलाई जाती है, उन्हें जानकारी दें और भागीदारों से बातचीत करके पता लगाएँ कि पाठशाला को और बेहतर कैसे बनाया जाए।

02
आत्मविश्वास और भागीदारीपूर्ण

सखियों का अपने अंदर **आत्मविश्वास** विकसित करना जरूरी है । लोगों के साथ बातचीत करने के लिए महत्वपूर्ण है कि **बुलंद, आत्मविश्वास से भरी आवाज़** हो। सखी को घूमते हुए, उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए, उनकी आँखों में देखते हुए उन्हें समझाना चाहिए। उन्हें खुल कर पूरे हाव-भाव के साथ बात करनी चाहिए, जिससे कि सुनने वाले उनकी बात पर गौर करें।

03
भागीदारों के साथ आपसी बातचीत का माहौल बनाना

बहुत ज़रूरी है कि कार्यक्रम में भागीदार आपस में और सखी के साथ बातचीत कर सकें, और उन्हें अपनी फ़सलों और उसकी समस्याओं के बारे में बात करने का मौका मिले।

04
फ़ील्ड प्रदर्शन के माध्यम से अनुभव साझा करना।

सखी को किसानों को डेमो प्लॉट और एक्सपोज़र विजिट के माध्यम से प्राप्त अपने विचारों और अनुभवों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

फील्ड स्कूलों के कामकाज की जांच

- [ ] एक **रजिस्टर** में उपस्थिति लिखें।
- [ ] सखी **बैठक का कार्यवाही** लिखें और सभी चर्चाओं को नोट करें।
- [ ] सखियों को **मासिक ब्लॉक-स्तरीय बैठक** के लिए बुलाया जाए जहां वे विभिन्न कार्यक्रमों की लक्ष्य प्रगति और लाभार्थियों की रुचियों पर चर्चा करें।
- [ ] **फील्ड-स्टाफ स्तरीय व्हाट्सऐप ग्रुप** और ब्लॉक-स्तरीय व्हाट्सऐप ग्रुप हो जहां सखियों को अपडेट देने और फोटो साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
- [ ] फील्ड स्टाफ बिना बताए **फील्ड स्कूल की विज़िट** करके समझें कि बैठकें कैसी हो रही हैं और आपसी बातचीत करके पता लगाएँ कि इन्हें और बेहतर कैसे किया जा सकता है।

01

इन फील्ड स्कूलों में **70-80%** की उपस्थिति होना चाहिए। यह संभव नहीं है कि हर लाभार्थी प्रत्येक/हर माह फील्ड स्कूल में आ सके।

02

चुनी गई **20-22% सखियाँ** नौकरी छोड़ सकती हैं। इसके कई कारण हैं:
- घर या परिवार की बढ़ती ज़िम्मेदारियाँ।
- शिक्षित सखियों को बेहतर रोजगार की संभावनाएं मिल सकती हैं या अन्य सरकारी कार्यक्रमों में दाखिला मिल सकता है जो उन्हें बेहतर मानदेय देते है।
- सखियों को यह काम भारी पड़ सकता है। कई बार, काम न करने वाली सखी को बदलना अनिवार्य हो सकता है।
- अपने परिवार सहित शहरों की ओर पलायन।

03

एक सखी की जगह दूसरी सखी चुन ने में **1-2 महीने** लग सकते हैं। तब तक, फील्ड स्टाफ को सुनिश्चित करना होगा कि सभी फील्ड स्कूल नियमित रहें और बिना किसी रुकावट कार्यक्रम पर चर्चाएं होती रहें।

सखी को बदलने के लिए फील्ड स्कूल के माध्यम से बातचीत करने में सक्षम, सक्रिय, आत्मविश्वासपूर्ण भागीदारों का चयन करके उन्हें नौकरी दी जा सकती है।

04

रु. 1500 प्रति माह का मानदेय उपयुक्त हो सकता है। सखी के काम की गुणवत्ता देखते हुए यह मानदेय तैय किया जा सकता है।

₹ 1500

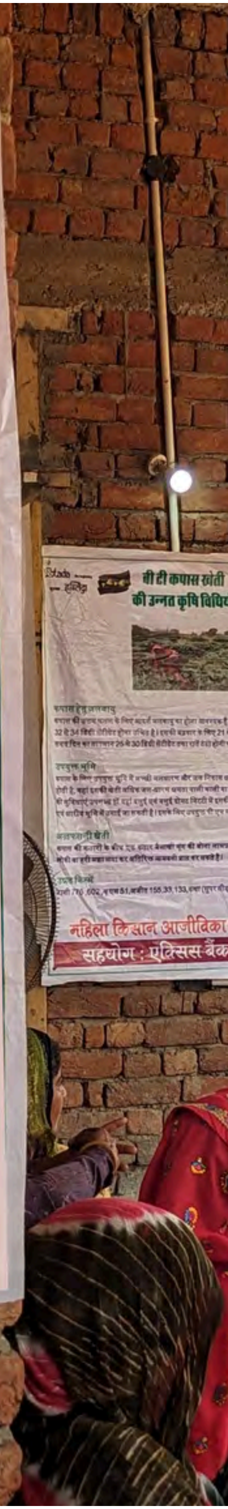

कुछ प्रमुख सीख

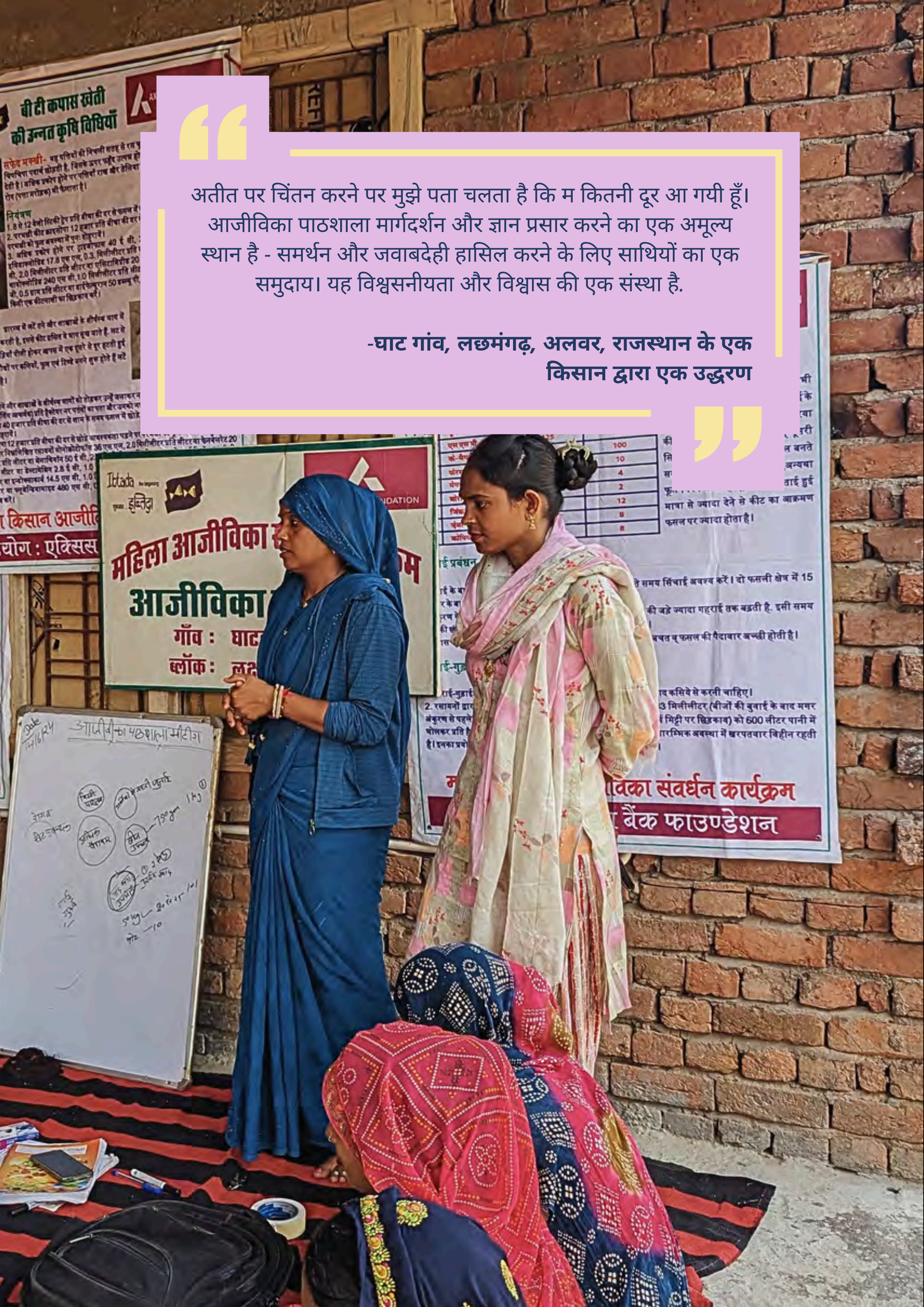

अतीत पर चिंतन करने पर मुझे पता चलता है कि म कितनी दूर आ गयी हूँ। आजीविका पाठशाला मार्गदर्शन और ज्ञान प्रसार करने का एक अमूल्य स्थान है - समर्थन और जवाबदेही हासिल करने के लिए साथियों का एक समुदाय। यह विश्वसनीयता और विश्वास की एक संस्था है.

-घाट गांव, लछमंगढ़, अलवर, राजस्थान के एक किसान द्वारा एक उद्धरण

RESOURCE PERSONS

राजेश अगरवाल

कार्यक्रम संचालक, इब्तदा , अलवर

९९८३३०५४०५ / ९५८८९०६११४

नरेंद्र सिंह

सहायक कार्यक्रम संचालक, इब्तिदा

९६६४१२९३३३

Documentation Partner

WELL LABS

WATER · ENVIRONMENT · LAND · LIVELIHOODS

Knowledge Partner

Ibtada the beginning

शुरुआत .. इब्तिदा

Supported by

AXIS BANK FOUNDATION

November 2025